Indian Investment in Kirgistan

648. SHRI SANJAY DALMIA:
SHRI SOLIPETA RAMACHANDRA REDDY:
SHRI YERRA NARAYANA SWAMY:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the Government of Kirgistan have invited Indian entrepreneurs to invest in their country;

(b) if so, the field in which this invitation has been extended;

(c) the terms and conditions of investment and other details in this regard; and

(d) the reaction of the Indian Government thereto?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI BOLLA BULI RAMAIAH): (a) No, Sir. However, during his official visit to India, Prime Minister of Kyrgyzstan addressed a meeting of Indian businessmen organised by CII in N. Delhi on 16th May, 1997. In the meeting, the Prime Minister explained the economic situation in Kyrgyzstan and expressed his hope that Indian businessmen would consider investing in Kyrgyzstan and also strengthen trade relations between the two countries.

(b) to (d) Do not arise.

वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात

649. **श्रीमती मालती शर्मा**:
प्रो. राम बख्श सिंह वर्मा:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश के वाहन निर्माण करने वाली कम्पनियों द्वारा किन-किन देशों को वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात किया गया;

(ख) इस अवधि के दौरान कुल कितने वाहनों का निर्यात किया गय;

(ग) वाहनों के निर्यात से देश को कितनी विदेशी पूंजी प्राप्त हुई;

(घ) क्या सरकार वाहनों के निर्यात को बढ़ावा देने पर विचार कर रही है;और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया): (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत से मुख्य निम्नलिखित देशों को वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात किय गया:

अंगोला, आस्ट्रेलिया, बंगलादेश, इथियोपिया, जर्मन संघीय गणराज्य, धाना, यूनान, गुयाना, हंगरी, इंडोनेशिया, इटली, जमाएका, केन्या, कुवैत, मालागंसी लोकतांत्रिक गणराज्य, मारीशस, मालावी, माल्टा, मोजाम्बिक, नेपाल, नाइजिरिया, ओमान, कतर, रूस, सऊदी अरब, सेनेगल, सिशेलिस, सिएरा लियोने, सिंगापुर, दक्षिणी अफ्रीका, श्रीलंका, स्पेन, सूडान, सीरिया, तंजानिया, संयुक्त अरब अमीरात, यूगांडा, यू. के, यू. एस. ए., वियतनाम, समाजवाद गणराज्य, जायरे, जाम्बिया, जिम्बाबवे।

(ख) और (ग) जीडीसी आईएंडएस, कलकत्ता के अनुसार, पिछले तीन वर्षों (96-97 अप्रैल-फरवरी के लिए) के दौरान कुल 20,132 वाहनों का निर्यात किया गया और पिछले 3 वर्षों के दौरान अर्जित की गई विदेशी मुद्रा 936,93 करोड़ रु. थी। वर्ष 1996-97 के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े अनंतिम है।

(ग) और (ङ) रिर्यातों का संवर्धन करते रहना सरकार का प्रयास रहा है। वाणिज्यिक वाहनों सहित इंजीनियरी वस्तुओं के निर्यात को बढाने के लिए किए गए उपायों में शुल्क छूट योजना सहित निर्यात आयात नीति के तहत विभिन्न प्रोत्साहन में ये शामिल है: निर्यात संवर्धन पूंजीगत वस्तु योजना, विशेष आयात लाइसेंस, ड्यूटी ड्रा बैंक योजना, आयकर आधिनियम की धारा 80 एचएचसी के तहत छूट, बाजार विकास निधि से सहायता। इंजीनियरी वस्तु निर्यातकों को इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद् के क्रियाकलापों के माध्यम से संवर्धनात्मक सहायता प्राप्त होती है।

Purchase of 10,000 tonnes of Rubber by STC

650. SHRI GAYA SINGH:
SHRI J. CHITHARANJAN:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is fact that the State Trading Corporation was asked to